समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

गुड़ी पड़वा से पहले आम बाजार मे तेजी ; 10 हजार पेटियों की आवक, ₹2 हजार से ₹8 हजार तक भाव

Sanket Morankar
Published on 17 Mar 2026

Gudi Padwa के आगमन से पहले देश के कई हिस्सों में आम बाजार में जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है। सण के चलते आम की मांग तेजी से बढ़ रही है, जबकि सप्लाई सीमित होने के कारण कीमतों में उछाल आया है।

मांग में तेजी

इस साल गुड़ी पड़वा जल्दी आने की वजह से मार्च की शुरुआत से ही आम की मांग बढ़ने लगी है। जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आ रहा है, बाजार में खरीदारों की भीड़ बढ़ती जा रही है।

व्यापारियों के अनुसार, त्योहार के दौरान करीब 10 हजार पेटियों की आवक होने की संभावना है, जिससे बाजार में बड़ी मात्रा में कारोबार होने की उम्मीद है।

किन शहरों में दिख रहा असर ?

Mumbai, Pune, Nashik जैसे प्रमुख बाजारों में आम की आवक बढ़ रही है। थोक और खुदरा बाजारों में व्यापारी पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहे हैं।

क्यों बढ़े दाम ?

इस साल मौसम में बदलाव के कारण आम का उत्पादन प्रभावित हुआ है। ठंड और अस्थिर मौसम की वजह से फसल पूरी तरह तैयार नहीं हो पाई। ऐसे में बाजार में सप्लाई कम और मांग ज्यादा होने से कीमतें बढ़ गई हैं।

मौजूदा कीमतें

फिलहाल आम की एक पेटी की कीमत ₹2 हजार से ₹8 हजार के बीच है। गुणवत्ता और किस्म के आधार पर दाम में अंतर देखा जा

रहा है। खासतौर पर Alphonso mango (हापुस) आम की मांग सबसे ज्यादा है।

किसानों और व्यापारियों को फायदा

बढ़ती कीमतों से आम उत्पादक किसानों को अच्छा लाभ मिल रहा है। वहीं व्यापारी भी ज्यादा मुनाफे की उम्मीद कर रहे हैं।

प्रमुख बाजारों में आम के दाम (प्रति पेटी)

- मुंबई: ₹4,000 से ₹8,000
- ठाणे: ₹3,500 से ₹7,500
- पुणे: ₹3,000 से ₹7,000
- नाशिक: ₹2,500 से ₹6,500
- नागपुर: ₹3,000 से ₹7,000
- रत्नागिरी: ₹2,000 से ₹5,500
- देवगढ़: ₹3,000 से ₹8,000

गुड़ी पड़वा के चलते आम बाजार में आई तेजी किसानों और व्यापारियों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। हालांकि बढ़ती कीमतों के कारण आम उपभोक्ताओं को इस बार ज्यादा खर्च करना पड़ सकता है। आने वाले दिनों में भी दाम ऊंचे बने रहने की संभावना है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.